पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

रजनीकांत को लाइफटाइम अचीवमेंट

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 223 ■ रविवार 30 नवंबर 2025 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

चुनाव प्रचार के लिए एक दिन और बढ़ा

- 1 दिसंबर को रात 10 बजे तक कर सकेंगे प्रचार
- उम्मीदवारों में भारी उत्साह
- नागरिकों की बढ़ी परेशानी

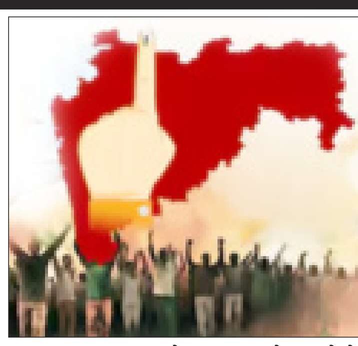

ठाणे. राज्य चुनाव आयोग ने नगर परिषदों और नगर पंचायतों के आम और उपचुनावों में चुनाव प्रचार पर रोक के समय में एक बड़ा बदलाव किया है, जिसके तहत मतदान से एक दिन पहले रात 10 बजे से सभी तरह के चुनाव प्रचार पर रोक लगाना ज़रूरी कर दिया गया है। क्योंकि ठाणे ज़िले में नगर परिषद के चुनाव 2 दिसंबर, 2025 को होंगे, इसलिए 1 दिसंबर को रात 10 बजे के बाद कोई भी मीटिंग, रैली, कैंपेन रैली या लाउडस्पीकर बजाने की इजाज़त नहीं होगी। चुनाव प्रचार के लिए एक और दिन मिलने से उम्मीदवारों में आखिरी समय में चुनाव प्रचार के लिए जोश तो है ही, लेकिन हर जगह घूम रहे कैंपेन रिक्शा और घर-घर जाकर लोगों से मिलने-जुलने से लोगों की परेशानी एक दिन और बढ़ गई है।

ज़िले में अंबरनाथ और बदलापुर नगर पालिकाओं के लिए चुनाव प्रचार अब अपने आखिरी दौर में पहुँच गया है, ऐसे में उम्मीदवार अपने प्रचार के चरम पर पहुँच रहे हैं। हर कोने पर हमारी पार्टी के बड़े नेताओं की मीटिंग, गलियों में घूमते कैंपेन रिक्शा, मेन चौक पर खड़ी गाड़ियों में कैंपेन के ऑडियो टेप बजना, अलग-अलग पार्टियों के उम्मीदवारों और इंडिपेंडेंट उम्मीदवारों का सुबह-शाम लोगों के घरों में आना-जाना इससे अब लोग परेशान हैं। हालांकि, अब उम्मीदवारों को कैंपेन के लिए एक एक्स्ट्रा दिन दिया गया है। इससे उम्मीदवारों में जोश का माहौल है।

महाराष्ट्र म्युनिसिपल काउंसिल, नगर पंचायत और इंडस्ट्रियल टाउन्स एक्ट, 1965 के सेक्शन 23 के मुताबिक, पोलिंग के दिन कोई भी पब्लिक मीटिंग करना मना है। इसके अलावा, 9 अक्टूबर, 2025 के 'ब्रॉडकास्ट मीडिया कंट्रोल एंड एडवरटाइजमेंट सर्टिफिकेशन ऑर्डर' में कहा गया था कि कैंपेन पर बैन पोलिंग से एक दिन पहले रात 12 बजे से लागू होगा, जबकि 4 नवंबर, 2025 के 'कंसोलिडेटेड ऑर्डर रिगार्डिंग कोड ऑफ कंडक्ट' में पोलिंग से 24 घंटे पहले कैंपेन पर बैन का जिक्र था। इन तीन अलग-अलग समयों ने चुनाव अधिकारियों, उम्मीदवारों और नागरिकों के बीच कन्फ्यूजन पैदा कर दिया था। इसलिए, आयोग ने सभी बातों पर विचार करने के बाद, 4 नवंबर के कंसोलिडेटेड ऑर्डर के नियमों में बदलाव किया है और अब मतदान से एक दिन पहले रात 10 बजे के बाद किसी भी तरह का कैंपेन, मीटिंग, रैली, लाउडस्पीकर का इस्तेमाल और कैंपेन से जुड़े एडवर्टाइजमेंट का पब्लिकेशन और ब्रॉडकास्टिंग पूरी तरह से रोकना ज़रूरी होगा।

यह बदला हुआ नियम आने वाले सभी म्युनिसिपल काउंसिल और नगर पंचायत चुनावों में एक जैसा लागू होगा। राज्य चुनाव आयोग के सेक्रेटरी सुरेश काकानी ने शांतिपूर्ण वोटिंग का माहौल बनाए रखने के लिए इन नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। इस बीच, उम्मीदवार आखिरी समय के कैंपेन के लिए जोश के साथ तैयारी कर रहे हैं।

स्थानीय निकाय चुनाव में

OBC आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

- सशर्त मंजूरी दी
- अगली सुनवाई 21 जनवरी तय

मुंबई. महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाया है. अदालत ने निकाय चुनावों पर ओबीसी आरक्षण को लेकर चुनावी प्रक्रिया का सशर्त रास्ता साफ कर दिया. महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाया है. अदालत ने निकाय चुनावों पर ओबीसी आरक्षण को लेकर चुनावी प्रक्रिया का सशर्त रास्ता साफ कर दिया.

अदालत ने उन सभी नए निकायों में 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण अधिसूचित करने पर रोक लगाई है, जिनके चुनाव अभी घोषित नहीं हुए हैं. वहीं, जिन नगर परिषदों और नगर पंचायतों में पहले से 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण अधिसूचित हो चुका है, वहां चुनाव तो तय कार्यक्रम के अनुसार होंगे, लेकिन उनके नतीजे रिट याचिकाओं के अंतिम फैसले पर निर्भर करेंगे.

बता दें कि मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ महाराष्ट्र में ओबीसी आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. पीठ ने मामले को तीन-न्यायाधीशों की बड़ी बेंच को भेजते हुए अगली सुनवाई 21 जनवरी तय की है.

2 दिसंबर को होने हैं निकाय चुनाव

सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील बलबीर सिंह ने कोर्ट को बताया कि 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और 2 दिसंबर को मतदान होना है. इनमें से 40 नगर परिषद और 17 नगर पंचायत ऐसे हैं जहां आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक है. वहीं दूसरी ओर, 29 महानगरपालिका, 32 जिला परिषद और 346 पंचायत समितियों के चुनाव अभी अधिसूचित नहीं हुए हैं.

'आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं'

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन निकायों के चुनाव अभी नहीं घोषित हुए हैं, उनमें किसी भी स्थिति में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती. कोर्ट को यह भी बताया गया कि केवल दो महानगरपालिकाएं ऐसी हैं जहां आरक्षण 50 प्रतिशत से ऊपर जाने की संभावना है. इस पर अदालत ने कहा कि इनके चुनाव भी अधिसूचित किए जा सकते हैं, लेकिन इनके परिणाम भी रिट याचिकाओं के नतीजों के अधीन रहेंगे.

उल्हासनगर मनपा में शॉर्ट सर्किट से आग

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में गार्डन डिपार्टमेंट ऑफिस के बाहर शुक्रवार दोपहर को फर्स्ट फ्लोर पर शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई और कुछ ही पलों में पूरा इलाका धुएं से भर गया। इससे दहशत फैल गई और कर्मचारी आनन-फानन में सुरक्षित जगह की ओर भागते दिखे, लेकिन फायर ब्रिगेड ने समय रहते पहुंचकर बिजली के केबल के पास भड़की आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पहले फ़्लोर पर पार्क डिपार्टमेंट के ऑफ़िस के बाहर दोपहर करीब 1 बजे बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। अचानक लगी आग से वायरिंग और बोर्ड के पास चिंगारियां उड़ने लगीं। कुछ ही पलों में, धुआं तेज़ी से कॉरिडोर की तरफ़ फैल गया और वहां मौजूद कर्मचारियों और लोगों में घबराहट फैल गई। म्युनिसिपल बिल्डिंग में रोज़ाना काफ़ी आना-जाना होता है। इसलिए, कुछ सेकंड की देरी से स्थिति गंभीर हो सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत फायर डिपार्टमेंट को बताया। कुछ ही मिनटों में फायर डिपार्टमेंट की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंच गई। भारी धुएं के बावजूद, कर्मचारी सुरक्षा गियर पहनकर आग की ओर दौड़े और तुरंत आग पर काबू पा लिया।

'अगर किसी ने बाप बनने की कोशिश की तो हम उसको उसका बाप दिखा देंगे'

तेजश्री करंजुले-पाटिल की प्रचार सभा में बोले गणेश नाईक

- केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे, गोपीचंद पडलकर की शनिवार को हुई प्रचार सभा

अंबरनाथ. अंबरनाथ में भाजपा के प्रमुख नेताओं की प्रचार सभा में लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो रही है. शनिवार को अंबरनाथ नगर पालिका नगराध्यक्ष पद की अधिकृत भाजपा उम्मीदवार के प्रचारार्थ केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे एवं विधायक गोपीचंद पडलकर ने शहर पूर्व और पश्चिम में सभा में भाग लिया. दो दिनों पूर्व वन मंत्री गणेश नाईक ने भाजपा की नगराध्यक्षा उम्मीदवार एवं कार्यकर्ताओं की बैठक में जो कहा वह शहर में चर्चा का विषय बन गया है.

उन्होंने किसी का नाम ना लेते हुए कहा कि अगर आपने हमको प्रेस से समझा कर बोलेंगे तो गाड़ी में जगह नहीं होते हुए भी हम तुम्हें साथ में लेंगे और अड़चन को बर्दाश्त करेंगे. लेकिन अगर कोई बाप बनने की प्रयत्न करेगा तो हम उसको उसका बाप दिखा देंगे. ऐसा दमदार इशारा गणेश नाईक ने देते हुए कहा कि अंबरनाथ और बदलापुर में भाजपा की सत्ता आएगी, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया.

6 महिने के भीतर अंबरनाथ में परिवहन सेवा शुरू करने का वादा उन्होंने किया. उन्होंने ये भी कहा कि अंबरनाथ और बदलापुर स्वतंत्र महापालिका के लिए वह प्रयास करेंगे. अंबरनाथ शहर में दहशत है. इसका अहसास मुझे हुआ है. हमारी सरकार है इसलिए किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है, ऐसा गणेश नाईक ने कहा. हम अंबरनाथ को भयमुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त बनाएंगे. ऐसे विश्वास उन्होंने व्यक्त किया. उस समय भाजपा की नगराध्यक्षा उम्मीदवार तेजश्री पाटिल, जिला अध्यक्ष नंदू परब, गुलाबराव करंजुले, शहराध्यक्ष अभिजीत करंजुले समेत पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

'महाराष्ट्र' डालेगा वोट

महिला के अजीब नाम से वोटर लिस्ट पर सवालिया निशान

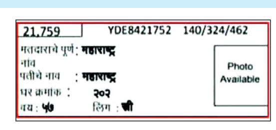

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव की जंग में एक चौंकाने वाली एंट्री सामने आई है, जिसने पूरे शहर के नेताओं और आम लोगों में हलचल मचा दी है। पैनल नंबर 19 में वोटर लिस्ट में 'महाराष्ट्र' नाम की 57 साल की महिला के वोट डालने की ऑफिशियल एंट्री देखकर सबकी आंखें खुली की खुली रह गई हैं।

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव बस आने ही वाले हैं। ऐसे में वोटर लिस्ट में एक अजीब एंट्री ने शहर का राजनीतिक माहौल गर्माना शुरू कर दिया है। चुनाव विभाग के दस्तावेजों के अनुसार, 20 नवंबर को प्रकाशित वोटर लिस्ट में पैनल नंबर 19 में वोटर नंबर 324 की लिस्ट में वोटर नंबर 21,759 पर 'महाराष्ट्र' नाम की 57 साल की महिला का नाम दर्ज है। नाम देखते ही नागरिकों, कार्यकर्ताओं और राजनीतिक पार्टियों के दफ्तरों में चर्चा का विषय बन गया। 'क्या किसी व्यक्ति का नाम 'महाराष्ट्र' हो सकता है? क्या नाम लिखते समय कोई तकनीकी गलती हुई?' जैसे सवाल लगातार पूछे जाते रहे हैं।

वोटर लिस्ट तैयार करने की प्रक्रिया में नागरिकों के नाम, उम्र, पता और पहचान के दस्तावेजों के वेरिफिकेशन जैसे कई चरणों से डेटा इकट्ठा किया जाता है। इसमें गलती की संभावना बहुत कम होती है। हालांकि, व्यक्ति के नाम की जगह सीधे 'महाराष्ट्र' राज्य का नाम दर्ज होना सिर्फ गलती नहीं है, बल्कि चुनाव प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही या गड़बड़ी की संभावना है, जिसे नागरिक और विरोधी जाहिर कर रहे हैं।

इस मामले ने नागरिकों में अविश्वास का माहौल भी बनाया है। वोटर लिस्ट में गलत नाम, मरे हुए लोगों के नाम, डबल नाम और बाहरी लोगों के नाम होने की शिकायतें पहले भी आती रही हैं। अब 'महाराष्ट्र' नाम की एंट्री ने आग में घी डाल दिया है। इस बीच, लोग इस मामले पर चुनाव विभाग और नगर निगम से ऑफिशियल जवाब मांग रहे हैं। जब हमने इस बारे में नगर निगम के पब्लिक रिलेशन अधिकारियों से बात करने की कोशिश की, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

गैर-कानूनी हथियारों के साथ युवक गिरफ्तार

उल्हासनगर. अंबरनाथ और बदलापुर नगर परिषद चुनाव के बीच, उल्हासनगर क्राइम ब्रांच पुलिस ने नालम्बी खदान रोड इलाके से गैर-कानूनी हथियार ले जा रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो देसी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस जब्त किए गए हैं। उल्हासनगर क्राइम ब्रांच के रामदास उगले और प्रसाद टोंडलीकर को सूचना मिली कि एक व्यक्ति गैर-कानूनी हथियार लेकर नालम्बी खदान इलाके में आ रहा है। इस सूचना की पुष्टि के बाद, क्राइम ब्रांच के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश आव्हाड के नेतृत्व में असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर विजय कजरी, पुलिस अंमलदार सतीश सपकाले, अमर कदम, प्रसाद टोंडलीकर, नितिन बैसाने, रामदास उगले की टीम ने जाल बिछाया। सुबह करीब 8 बजे संदिग्ध जगह पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से कमरबंद में छिपाई गई दो देसी पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हजरत अली जाकिर हुसैन उर्फ यूसुफ के तौर पर हुई है और वह उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उसके पास से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। इस मामले में अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

सोसायटी के लिए पेंट, टेरेस पर छत और खाने तक की मांग

- प्रचार के आखिरी दौर में वोटरों की अजीब मांगों से उम्मीदवार भी कन्फ्यूज

अंबरनाथ/बदलापुर. साढ़े दस साल बाद हो रहे अंबरनाथ और कुलगांव बदलापुर नगर परिषद चुनाव प्रचार के दिन जैसे-जैसे बीत रहे हैं, वोटरों की उम्मीदवारों से उम्मीदें बढ़ गई हैं। कुछ रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में लोग अपनी-अपनी ताकत दिखाकर कॉम्प्लेक्स के काम के लिए कुछ पाने की कोशिश कर रहे हैं। कहीं सोसायटी के लिए पेंट, कहीं छत पर छत तो कहीं CCTV नेटवर्क की मांग वोटरों की तरफ से की जा रही है. इससे उम्मीदवार भी कन्फ्यूज हैं।

अंबरनाथ और बदलापुर में दो अलग-अलग नगर परिषद हैं। मजदूर वर्ग की इन नगर निगमों में शिवसेना और BJP का दबदबा है। अंबरनाथ शहर की बनावट झुग्गी-झोपड़ियों, सैकड़ों हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, बैठी चॉल, इंडिपेंडेंट बंगलों जैसी है। जबकि, बदलापुर में हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, सिटिंग हाउस और बंगले हैं। इन दोनों शहरों में नए कॉम्प्लेक्स बन रहे हैं। जो पारंपरिक वोटर पहले पॉलिटिकल ऑफिस वालों से मिलते थे, अब वो नहीं रहे। जैसे-जैसे शहर बड़े हुए हैं, वोटरों की संख्या भी बढ़ी है। वोटरों की उम्मीदें उम्मीदवारों से पहले जितनी नहीं रहीं। उम्मीदवार वोटरों की नई उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए जूझ रहे हैं।

अप्रैल 2015 में दोनों शहरों में म्युनिसिपल चुनाव हुए थे। उसके बाद वार्ड बदले, वोटर बदले। हालांकि शहरों में वोटरों को 'लक्ष्मी दर्शन' में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन उनकी मिली-जुली उम्मीदें बढ़ गई हैं। हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में वोटरों की संख्या ही वहां के लोगों की ताकत है। उम्मीदवार विकास के कामों का वादा कर रहे हैं। हालांकि, वोटरों की तरफ से कई उम्मीदें जताई जा रही हैं, जैसे कॉम्प्लेक्स में ऑफिस में कुर्सियां, सोसायटी के लिए पेंट, टेरेस पर छत, प्रोग्राम के लिए सामान, क्लब हाउस में सामान, स्पोर्ट्स किट, पिकनिक के लिए स्पॉन्सरशिप। कई जगहों पर उम्मीदवार वोटरों की अजीब मांगों से भी कन्फ्यूज़ हो जाते हैं। उम्मीदवारों के पास इन महंगी उम्मीदों के लिए हाँ कहने के अलावा कोई चारा नहीं होता। हालाँकि, कई उम्मीदवार अकेले में यह मान रहे हैं कि वोटरों की ये माँगें निश्चित रूप से महंगी और अलग हैं।

"पुलिस से डरो मत, हमें अपना दोस्त समझो"

- "विजिट माई पुलिस स्टेशन" का आयोजन
- छात्रों ने पुलिस स्टेशन का किया दौरा

उल्हासनगर. विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में आज "विजिट माई पुलिस स्टेशन" के आयोजन में शहर के अलग-अलग कॉलेजों के छात्रों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और प्रोग्राम को जोश के साथ देखा। इस पहल के दौरान, पुलिस और छात्रों के बीच अलग-अलग मुद्दों पर सीधी बातचीत हुई। स्टूडेंट्स को पुलिस स्टेशन के रोज़ाना के कामों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि क्राइम कैसे दर्ज किया जाता है, कोई भी घटना होने पर कैसे घबराना नहीं है, और तुरंत पुलिस स्टेशन आकर शिकायत कैसे दर्ज करानी है।

इस मौके पर "पुलिस से डरो मत, हमें अपना दोस्त समझो" यह एक पॉजिटिव मैसेज दिया गया। इसके अलावा, स्टूडेंट्स को अपराधियों के फिंगर प्रिंटर जिस्ट्रेशन प्रोसेस, वह जानकारी सिस्टम में कैसे सेव होती है और देश के किसी भी पुलिस स्टेशन के ऑफिसर इसे कैसे चेक कर सकते हैं, इस पर एक डेमोंस्ट्रेशन दिखाया गया। यह कहा गया कि यह पहल, जो स्टूडेंट्स के लिए जानकारी देने वाली और जागरूकता बढ़ाने वाली थी, पुलिस-स्टूडेंट बातचीत को मज़बूत करने में ज़रूरी थी। उल्हासनगर पुलिस उपायुक्त परिमंडल-4 के सभी पुलिस स्टेशनों में इसका आयोजन किया गया था।

मनपा प्रशासन का नरम रुख दिव्यांगों के अपमान पर माफी मांगी

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के प्रवेश द्वार पर दिव्यांग भाइयों को रोके जाने और उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किए जाने के चौंकाने वाले मामले ने शहर में गुस्से की लहर पैदा कर दी थी। मानवाधिकारों और दिव्यांग अधिनियम 2016 का उल्लंघन करने वाले इस व्यवहार के खिलाफ प्रहार जनशक्ति पार्टी और दिव्यांग क्रांति संगठन द्वारा पूर्व मंत्री बच्चू कडू के आदेश पर ठाणे जिला अध्यक्ष एड. स्वप्निल पाटिल द्वारा मनपा के सामने किया गया तीव्र विरोध प्रदर्शन प्रशासन के लिए हार साबित हुआ। हालांकि सुरक्षा गार्ड द्वारा माफी मांगने के बाद आखिरकार विरोध वापस ले लिया गया, लेकिन इस विरोध प्रदर्शन के जरिए पूरे शहर में यह संदेश दिया गया कि 'दिव्यांगों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'।

उल्हासनगर मनपा के मुख्य प्रवेश द्वार पर दिव्यांग भाइयों को प्रवेश करने से रोकते समय सुरक्षा गार्डों द्वारा अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने की चौंकाने वाली घटना 26 नवंबर को सामने आई थी। प्रहार जनशक्ति पार्टी के ठाणे जिला अध्यक्ष एड. स्वप्निल पाटिल ने तुरंत मांग की कि इस हरकत के लिए संबंधित गार्ड के खिलाफ केस दर्ज किया जाए। दिव्यांगों के मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाले इस व्यवहार को दिव्यांग व्यक्ति एक्ट 2016 का भी सीधा उल्लंघन बताया गया। घटना के विरोध में, पूर्व मंत्री बच्चू कडू के आदेश पर प्रहार जनशक्ति पार्टी और दिव्यांग क्रांति संगठन ने नगर निगम के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दिव्यांगों के साथ हुए अपमानजनक व्यवहार की कड़ी निंदा की और संबंधित सुरक्षा गार्ड के खिलाफ तुरंत केस दर्ज करने की जोरदार मांग की। विरोध के दौरान नगर निगम की डिप्टी कमिश्नर स्नेहा कार्पे ने प्रतिनिधियों के साथ एक मीटिंग की। इस मीटिंग में नगर प्रशासन ने घटना की कड़ी निंदा की। प्रशासन के माफी मांगने और सुधारात्मक कार्रवाई करने का वादा करने के बाद, प्रदर्शनकारियों ने विरोध वापस ले लिया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सीहोर का 'साइलेंट विस्फोट'

जब व्यवस्था बिगड़ती है, तो उसके नतीजे में लोगों का बेलगाम हो जाना एक स्वाभाविक नतीजा है। कई बार ऐसा देखा गया है कि अव्यवस्था और अन्याय के खिलाफ नागरिक सड़कों पर उतर आते हैं। अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना गलत नहीं है, लेकिन जब विरोध हिंसा और अराजकता में बदल जाए, तो यह कानून के विरुद्ध और चिंता की बात है।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में मंगलवार को वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थी भोजन और पानी की खराब गुणवत्ता के खिलाफ हिंसा पर उतारू हो गए। उन्होंने संस्थान परिसर में तोड़फोड़ की और वाहनों में भी आग लगा दी। करीब तीन से चार हजार विद्यार्थियों के आक्रोश को संभालने या उनके सवालों का जवाब देने वाला वहां कोई नहीं था।

स्पष्ट है कि संबंधित संस्थान ने समय रहते विद्यार्थियों की समस्या दूर नहीं की और न ही उनमें पनप रहे गुस्से को भांप कर परिसर में कोई सुरक्षा व्यवस्था की। नतीजा यह हुआ कि छात्रावास की खिड़कियों के शीशे तो टूटे ही, एक बस और चिकित्सा वाहन में भी आग लगा दी गई। इतनी बड़ी घटना के दौरान पुलिस मौके पर नहीं थी, तो इससे मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है। बेकाबू विद्यार्थियों को संभाल न पाना निस्संदेह पुलिस की नाकामी है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि कई गंभीर मामलों के आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। हालत यह है कि मुख्यमंत्री को पुलिस मुख्यालय जाकर बैठक करनी पड़ी। वहां उन्होंने राज्य में बढ़ते अपराध, पुलिस की कार्यप्रणाली और हाल में हुई घटनाओं की समीक्षा की।

यह सफाई दी जा सकती है कि हर जगह एक साथ अपराध को नियंत्रित करना मुश्किल है, मगर यह भी सच है कि कानून-व्यवस्था इकबाल से चलती है और उसकी स्थिति राज्य में बदहाल दिख रही है। पिछले दिनों एक मासूम से दरिंदगी सहित हालिया कई घटनाओं से पुलिस और प्रशासन की नाकामी ही दिखी है। जबकि इस कमजोरी को शासन के स्तर पर ही दूर किया जा सकता है। यह अधिकारियों को सिर्फ हटाने और निलंबित करने से नहीं होगा। अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो और जवाबदेही तय हो, तो कानून-व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सकता है।

अर्बन नक्सलियों से भी सरकार को रहना होगा सतर्क

इसे एक धोखा ही कहा जाएगा कि चंद कथित पर्यावरण प्रेमी वायु प्रदूषण के विरुद्ध प्रदर्शन करें और फिर एकाएक अपने प्रदर्शन को माओवादियों के प्रति हमदर्दी जताने में तब्दील कर दें। बीते दिनों दिल्ली में ऐसा ही हुआ। कुछ लोग दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन करने उतरे, लेकिन फिर वे कुख्यात माओवादी सरगना हिड़मा के समर्थन में उतर आए। उन्होंने 'माडवी हिड़मा अमर रहे' के नारे लगाए।

पुलिस ने जब उन्हें नारे लगाने से रोका तो वे पेपर स्प्रे छिड़कते हुए हिंसक हो गए। पुलिस ने 15 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया। ये माओवाद समर्थक अर्बन नक्सल वाली परिभाषा पर खरे उतरते हैं। ये इससे खफा थे कि हिड़मा को क्यों मारा गया। स्पष्ट है कि ये अर्बन नक्सल जानबूझकर हिड़मा की खूनी हरकतों से अनजान थे। हिड़मा के मारे जाने के बाद माओवादी कैडर में हड़कंप है।

सुरक्षाबलों की सक्रियता के चलते माओवादी बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण कर रहे हैं। बीते कुछ दिनों में बस्तर जिले में ही सक्रिय 2 करोड़ 8 लाख के इनामी 69 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। इनमें पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल हैं। गृहमंत्री अमित शाह लगातार कह रहे हैं कि मार्च 2026 तक देश से माओवाद का समूल नाश कर दिया जाएगा। इस कारण जंगलों में छिपे माओवादी और साथ ही अतिवादी वामपंथी वैचारिकता से जुड़े अर्बन नक्सली बौखला गए हैं। माओवाद ऐसी जहरीली विचारधारा है, जिसे नगरीय बौद्धिकों का भी समर्थन

मिलता रहा है। ये अर्बन नक्सली खूंखार माओवादियों को आदिवासी समाज का हितचिंतक बताते हैं। जो आदिवासी उनका समर्थन नहीं करते, उन्हें माओवादियों की क्रूरता का शिकार होना पड़ता है। माओवादियों ने न जाने कितने आदिवासियों को पुलिस का मुखबिर बताकर मारा है। बावजूद इसके वामपंथी दलों को सुरक्षाबलों की ओर से माओवादियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान पसंद नहीं आता। वे इससे चिंतित हैं कि सरकार माओवादियों के सफाए के लिए प्रतिबद्ध है। हाल में सुरक्षा बलों को माओवादियों की कमर तोड़ने में उल्लेखनीय सफलता मिली है और अब यह लगने लगा है कि उनका मार्च 2026 तक सचमुच सफाया कर दिया जाएगा। इसका कारण यह है कि एक के बाद एक माओवादी सरगना या तो मारे जा रहे हैं या फिर वे हथियार डालने के लिए मजबूर हो रहे हैं। कुछ समय पहले छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगलों में सुरक्षा बलों के माओवाद विरोधी अभियान को तब बड़ी सफलता मिली थी, जब डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को मार गिराया गया था। यह कुख्यात माओवादी गुरिल्ला लड़ाका था। इसने वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कालेज में पढ़ाई की थी, लेकिन बाद में हिंसा और हत्याओं के खूनी खेल में लिप्त हो गया।

यह चिंता की बात है कि माओवादियों के खूनी इतिहास से अवगत होने के बाद भी वाम-विचार वाले बौद्धिक उन्हें वैचारिक खुराक देने में लगे रहते हैं। माओवादी हिंसा लंबे समय से देश के कई राज्यों में आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई थी। एक समय माओवादी हिंसा को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता था, लेकिन मोदी सरकार द्वारा उस पर शिकंजा कसे जाने से रक्त बहाने वाले इस हिंसक उग्रवाद पर लगभग नियंत्रित होता दिख रहा है।

वैसे तो मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए भी विषैली विचारधारा वाले माओवादियों को नियंत्रित करने के लिए कठोर नीति अपनाई गई, लेकिन सोनिया गांधी द्वारा नियंत्रित राष्ट्रीय सलाहकार परिषद ने इस कठोर नीति का विरोध किया। विरोध इतना बढ़ा कि उस अभियान को शिथिल करना पड़ा। इससे माओवादियों का मनोबल बढ़ा और उन्होंने अपनी ताकत बढ़ानी शुरू की। उस दौर में माओवादियों का दुस्साहस इतना अधिक बढ़ गया था कि माओवादी सरगना किशनजी कहता था कि सरकार से वार्ता के पहले सुरक्षा बलों को भी हथियार डालने होंगे।

हमारी आत्मा का बाहरी रूप ध्यान है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

हरियाणा की खेल व्यवस्था का एक्सरे

हरियाणा में बास्केटबाल के दो खिलाड़ियों की मौत को भले ही हादसे के तौर पर देखा जाए, लेकिन यह दरअसल राज्य के समूचे तंत्र में खेलों के प्रबंधन से लेकर व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और वहां की खेल नीति पर एक गंभीर सवाल है। इससे अफसोसनाक और क्या होगा कि बास्केटबाल के ये खिलाड़ी अपनी मेहनत और लगन से देश के लिए कुछ बड़ी उपलब्धि हासिल करना चाहते थे, लेकिन सरकारी अव्यवस्था और लापरवाही की वजह से उनकी जान चली गई।

दोनों खिलाड़ियों की मौत पर व्यापक चिंता उभरने के बाद हुई कार्रवाई में कुछ संबंधित कर्मचारियों या अधिकारी को निलंबित किया गया और सरकार ने सभी खेल मैदानों और बास्केटबाल के पोल या खंभों की जांच के आदेश जारी किए। मगर सवाल है कि जो खंभे हादसे की वजह बने, लंबे समय से जर्जर हालत में होने के बावजूद संबंधित सरकारी महकमों ने उनकी अनदेखी क्यों की। इस लिहाज से देखें तो हादसों में दोनों खिलाड़ियों की मौत के वास्तविक जिम्मेदारों की पहचान और उन्हें कठघरे में खड़ा करने की जरूरत है।

गौरतलब है कि राज्य के रोहतक और बहादुरगढ़ में अभ्यास करने के क्रम

में दो खिलाड़ियों के पेट और सीने पर बास्केटबाल का खंभा गिर गया और उनकी मौत हो गई। जो खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के बूते भविष्य में उपलब्धियां हासिल कर परिवार से लेकर देश के लिए गर्व का जरिया बन सकते थे, सरकारी लापरवाही की वजह से उनकी जान चली गई। खबरों के मुताबिक, दोनों ही जगह बास्केटबाल का खंभा इस जर्जर हालत में था कि उसमें हल्का जोर पड़ते ही टूट कर गिर गया।

जाहिर है, खंभे का गिरना एक-दो दिन की लापरवाही का नतीजा नहीं हो सकता। रोहतक के लाखनमाजरा स्थित स्टेडियम में करीब पांच सौ खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। वे बीते काफी समय से खेल विभाग के अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री तक से मैदान की गुणवत्ता और उपकरणों को ठीक कराने की मांग कर रहे थे। मगर उनकी मांग पर किसी ने समय पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि राज्य में कई अन्य जगहों पर भी खेल मैदानों में जरूरी संसाधनों और उपकरणों की दशा ऐसी है कि खिलाड़ी खेलते या अभ्यास करते हुए हर समय एक तरह के जोखिम से गुजरते हैं। सवाल है कि जो सरकार दो खिलाड़ियों की जान जाने के बाद राज्य के खेल मैदानों में बुनियादी ढांचों की जांच कराने को लेकर सक्रिय दिखी, क्या ऐसा वह पहले नहीं कर सकती थी।

हरियाणा एक खेल प्रधान राज्य रहा है। यहां के बहुत सारे खिलाड़ियों ने अपनी क्षमताओं के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए बड़ी-बड़ी उपलब्धियां अर्जित की हैं। रोहतक में हादसे का शिकार होने वाले हार्दिक राठी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी थे और बहादुरगढ़ के अमन भी भविष्य की संभावना थे।

मगर यहां खेल मैदानों में हुई त्रासद घटनाओं में उनकी मौत बताती है कि सरकार की खेल नीति की हकीकत क्या है और वह खिलाड़ियों के सुरक्षित अभ्यास करने को लेकर किस हद तक लापरवाह है। अब संभव है कि राज्य के खेल परिसरों में संसाधनों और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सरकार कुछ समय तक सक्रिय दिखे, लेकिन जब तक खिलाड़ियों के अभ्यास और उनकी सुरक्षा को लेकर निरंतर सक्रियता और ईमानदार इच्छाशक्ति को खेल नीति का अनिवार्य हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक बेहतर नतीजों की उम्मीद नहीं की जा सकती।

उड़ान भरने से पहले प्लेन पर क्यों डाला जाता है पानी?

एक हवाई जहाज से जुड़े कई ऐसे फैक्ट्स हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को पता है. जब कोई एयरहोस्टेस या पायलट इन चीजों के बारे में

जरा हट के

खुलासा करता है, तो जानकर हैरानी होती है. आज हम आपको एरोप्लेन से जुड़े एक ऐसे ही राज के बारे में बताने जा रहे हैं. आपने गौर किया होगा कि जब कोई विमान रनवे पर उड़ान भरने के लिए तैयार होता है, तभी उस पर अग्निशमन इंजनों द्वारा पानी की बौछार की जाती है. यह देखकर कोई भी यात्री मान सकता है कि उड़ान से पहले विमान की आखिरी मिनट की सफाई चल रही है. लेकिन आपको बता दें कि यह कोई सफाई की प्रक्रिया नहीं बल्कि एक खास रस्म है, जिसे 'वाटर सैल्यूट (Water Salute)' कहा जाता है. इस अजीबोगरीब प्रथा का कारण हैरतअंगेज है, जो हवाई यात्रा की दुनिया का एक अनोखा रहस्य है.

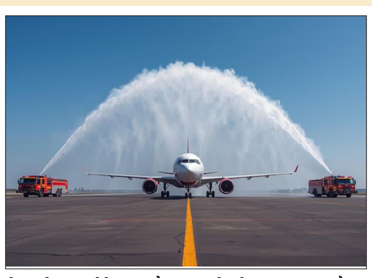

वाटर सैल्यूट दरअसल एक सेलिब्रेशन सेरेमनी है, जिसमें दो फायर इंजन प्लेन के ऊपर पानी के आर्क बनाते हैं, जिससे एक 'सुरंग' बनती है और प्लेन उसके नीचे से गुजरता है. समुद्री जहाजों के लिए की जाने वाली सैल्यूट की तरह यह परंपरा सम्मान, जश्न या शुभकामना का प्रतीक होती है. सिंपल फ्लाइंग की रिपोर्ट के मुताबिक, वाटर सैल्यूट खास मौकों पर किया जाता है- जैसे किसी सीनियर पायलट या एयरपोर्ट कर्मचारी की रिटायरमेंट से पहले आखिरी फ्लाइट को सम्मान देने के लिए. यह रिकॉर्ड-ब्रेकिंग फ्लाइट, ओलंपिक टीम के स्वागत या मिलिट्री पर्सनल को सम्मान देने के लिए भी किया जाता है. शिपहोल एयरपोर्ट के अनुसार, यह परंपरा मूल रूप से समुद्री उद्योग से शुरू हुई थी, जहां फायरबोट जहाजों के मेडन वॉयज पर पानी के आर्क बनाते थे.

1990 के दशक में साल्ट लेक सिटी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक रिटायरिंग डेल्टा एयरलाइंस पायलट को सम्मान देने के लिए पहला वाटर सैल्यूट किया गया था. इसके बाद से इस परंपरा को आगे भी जारी रखा गया.

मूली का चटपटा अचार

मूली का नाम सुनते ही कई लोग नाक-भौं सिकोड़ने लगते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मूली का अचार इतना मजेदार बन सकता है कि यह आपके बोरिंग खाने का भी मजा दोगुना कर देगा? जी हां, यह अचार न सिर्फ चटपटा होता है, बल्कि इसे बनाना भी बेहद आसान है। आज हम आपको मिनटों में तैयार होने वाले मूली के सबसे स्वादिष्ट और झटपट अचार की रेसिपी बताने जा रहे हैं।

सामग्री

- 1 चम्मच सरसों का तेल
- 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 चम्मच धनिया पाउडर
- 1/4 चम्मच हींग
- स्वादानुसार नमक

इसके अलावा, अचार को खट्टा-तीखा स्वाद देने के लिए 1 चम्मच सिरका डालना न भूलें। अगर सिरका नहीं है, तो नींबू का रस भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बनाने की विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में सरसों का तेल डालकर हल्का गर्म करें। तेल के गर्म होते ही, इसमें हींग डालकर तुरंत गैस बंद कर दें। अब इस गर्म तेल में कटे हुए मूली के

टुकड़े डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद, ऊपर बताए गए सभी मसाले- हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर और नमक- डालकर मूली को मसालों के साथ अच्छे से टॉस करें। आखिरी में, सिरका या नींबू का रस डालकर एक बार और मिलाएं। बस, आपका स्वादिष्ट और चटपटा मूली का अचार मिनटों में तैयार है।

इस अचार को तुरंत खाने के लिए परोसा जा सकता है। यह गरमा गरम पराठे, दाल-चावल या किसी भी सब्जी के साथ मिल कर आपके खाने के स्वाद को कई गुना बढ़ा देगा। अगर आप इसे लंबे समय तक रखना चाहते हैं, तो इसे एक एयर टाइट कांच के जार में भरकर रखें। यह अचार फ्रिज में रखने पर 8 से 10 दिनों तक एकदम ताजा और कुरकुरा बना रहता है।

हड्डियों की मजबूती के लिए धूप सेंकने का सही समय क्या है?

विटामिन-डी की कमी एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है, जिससे ज्यादातर भारतीय पीड़ित हैं। यह विटामिन हमारे पूरे स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है, खासकर हड्डियों के लिए। चाहे आप भरपूर मात्रा में कैल्शियम ले रहे हैं, लेकिन अगर आपमें विटामिन-डी कम है, तो आपकी हड्डियां कमजोर ही रहेंगी। लेकिन हड्डियों का स्वास्थ्य बनाए रखने में विटामिन-डी की क्या भूमिका है और इसकी कमी को पूरा करने के लिए कितनी देर धूप लेना जरूरी है? आइए विटामिन-डी से जुड़े इन्हीं सवालों के जवाब जानते हैं।

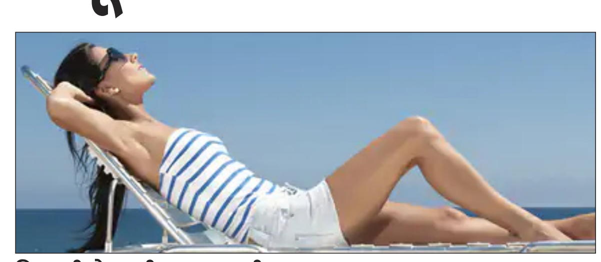

क्या सुबह की धूप काफी है?

इसका सीधा सा जवाब है, नहीं। जब विटामिन-डी बनाने की बात आती है, तो सुबह की धूप (जैसे सुबह 7-8 बजे) असरदार नहीं मानी जाती। दरअसल, हमारी त्वचा में विटामिन-डी तब बनता है जब यह सूरज की यूवी-बी किरणों के संपर्क में आती है। सुबह के समय वातावरण में यूवी-बी किरणों की मात्रा बहुत कम होती है। इसलिए विटामिन-डी के लिए सुबह की धूप लेना असरदार नहीं है।

विटामिन-डी के लिए धूप लेने का सही समय क्या है?

विटामिन-डी बनाने के लिए सबसे असरदार समय दोपहर का समय माना जाता है। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच की धूप सबसे अच्छी होती है। इस दौरान सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं और यूवी-बी किरणों भी सबसे ज्यादा होती है, जो त्वचा के नीचे मौजूद कोलेस्ट्रॉल को विटामिन-डी में बदलने का काम करती हैं।

कितनी देर की धूप जरूरी?

यह कई फैक्टर्स पर निर्भर करता है, जैसे व्यक्ति की त्वचा का रंग, उम्र, जहां वह रहता है और मौसम।

गोरी त्वचा- गोरी त्वचा में मेलेनिन कम होता है, इसलिए उन्हें लगभग 15-20 मिनट की धूप काफी हो सकती है।

सांवली या गहरी त्वचा- सांवली त्वचा में मेलानिन ज्यादा होता है, जो यूवी-बी किरणों को रोकता है। ऐसे में लगभग 30-45 मिनट तक धूप में रहने की सलाह दी जाती है।

बुजुर्ग- उम्र बढ़ने के साथ त्वचा में विटामिन-डी बनाने की क्षमता कम हो जाती है, इसलिए उन्हें थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है।

विटामिन-डी हड्डियों के लिए क्यों जरूरी होता है?

कैल्शियम के अब्जॉर्प्शन में मददगार- विटामिन-डी हमारी आंतों में कैल्शियम के अब्जॉर्प्शन के लिए जरूरी है। अगर विटामिन-डी की कमी होगी, तो शरीर खाने से मिलने वाले कैल्शियम को ठीक से सोख नहीं पाएगा, भले ही आप दूध और पनीर भरपूर मात्रा में खाएं।

हड्डियों के निर्माण और मजबूती में भूमिका- विटामिन-डी सीधे तौर पर हड्डी बनाने वाले सेल्स की गतिविधि को नियंत्रित करता है। यह हड्डियों के मिनरलाइजेशन की प्रक्रिया के लिए भी जरूरी है, जिससे हड्डियां सख्त और मजबूत बनती हैं।

इन बातों का जरूर रखें ध्यान

धूप सेंकते समय शरीर के बड़े हिस्से (जैसे हाथ, पीठ, पैर) खुले हों तो बेहतर है।
सनस्क्रीन लगाकर धूप में बैठने से विटामिन-डी नहीं बन पाता, इसलिए बिना सनस्क्रीन के ही धूप लें।
खिड़की के कांच के पार धूप लेना बेकार है, क्योंकि कांच यूवी-बी किरणों को रोक देता है।

आज का राशिफल

मेष : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। कोई नई समस्या आ सकती है।

वृषभ : रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन : नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क : मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

सिंह : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है।

कन्या : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा।

तुला : जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। लाभ हो सकता है।

धनु : वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ : सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है। नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

मीन : व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

आंखों की रोशनी बढ़ाने में मददगार है अमरूद की पत्तियों से बनी हर्बल चाय

घर पर ऐसे करें तैयार...

अमरूद न सिर्फ एक स्वादिष्ट फल है, बल्कि इसकी पत्तियां भी औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। खासतौर पर आंखों की रोशनी बढ़ाने और उन्हें हेल्दी बनाए रखने में अमरूद की पत्तियों से बनी चाय बेहद फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन ए, एंटीऑक्सीडेंट्स और अन्य कई पोषक तत्व आंखों को पोषण देते हैं, आंखों की थकान को कम करते हैं और मोतियाबिंद जैसी प्रॉब्लम्स से बचाव में मदद करते हैं। ऐसे में, आइए बिना देर किए जानते हैं इस हर्बल चाय को घर पर बनाने का आसान तरीका और इसके फायदों के बारे में।

अमरूद की पत्तियों की चाय बनाने की विधि

सबसे पहले अमरूद की ताजी, हरी पत्तियां लें और उन्हें अच्छी तरह धोकर साफ कर लें, जिससे धूल-मिट्टी या कीटनाशक न रह जाए। अब एक पैन में 2 से तीन कप पानी डालकर उबालें। पानी उबलने लगे तो इसमें अमरूद की पत्तियां डाल दें। धीमी आंच पर 7-8 मिनट तक उबालें, जिससे पत्तियों के सारे पोषक तत्व पानी में मिल जाएं। गैस बंद करें और इस पानी को छलनी से छान लें। स्वाद के लिए इसमें शहद और नींबू का रस डाल सकते हैं। गर्मागर्म चाय को धीरे-धीरे पिएं।

आंखों के लिए फायदेमंद

विटामिन ए का सोर्स – अमरूद की पत्तियों में मौजूद विटामिन-ए रेटिना को मजबूत बनाता है और नाइट ब्लाइंडनेस की प्रॉब्लम को कम करने में सहायक है।

एंटीऑक्सीडेंट गुण – यह फ्री रेडिकल्स से आंखों की सुरक्षा करता है, जिससे मोतियाबिंद और उम्र संबंधी आंखों की बीमारियों का खतरा घटता है।

आंखों की थकान दूर करे – लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में थकान और सूखापन आ जाता है, जिसे यह चाय कम करने में मदद करती है।

सूजन और रेडनेस में राहत – इसमें मौजूद सूजन-रोधी गुण आंखों की रेडनेस और जलन को शांत करते हैं।

ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाए – यह आंखों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की सप्लाई को बेहतर बनाती है, जिससे आंखों की रौशनी क्लियर होती है।

अमरूद की पत्तियों की चाय एक सस्ती और ईजी नेचुरल हर्बल ड्रिंक है, जो आंखों की सेहत को बेहतर बनाने में मददगार है। नियमित रूप से सुबह या शाम इसे पीना आंखों की रोशनी बनाए रखने के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए भी फायदेमंद है, लेकिन अगर आपको आंखों की कोई सीरियस प्रॉब्लम है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बालों में प्याज का रस लगाने के फायदे

- आयुर्वेद में प्याज के रस को बालों को पोषण देने वाला बताया गया है. कुछ शोधों में भी इसमें मौजूद पोषक तत्वों को बालों के विकास में प्रभावशाली पाया गया है.
- प्याज में सल्फर होता है, जिसे केराटिन बिल्डिंग ब्लॉक माना जाता है. केराटिन एक प्रोटीन है, जिससे बाल बने होते हैं. शरीर में सल्फर की कमी होने से बाल जड़ से कमजोर होकर टूटने लगते हैं. प्याज का रस लगाने से यह सल्फर सीधे स्कैल्प तक पहुंचता है, जिससे बालों को प्राकृतिक मजबूती मिलती है.
- प्याज की तासीर गर्म होती है. यह स्कैल्प में जमी गंदगी, अतिरिक्त तेल और बंद हुए रोमछिद्रों को साफ करने में मदद करता है. वहीं, वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि प्याज के रस में एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-फंगल गुण मौजूद होते हैं, जो डैंड्रफ, फंगल इंफेक्शन और स्कैल्प इंफ्लेमेशन जैसी समस्याओं को कम करते हैं. इससे सिर की त्वचा हेल्दी रहती है.
- प्याज के रस को सीधे स्कैल्प पर लगाना चाहिए. इससे जड़ों को पोषण मिलेगा. बालों के टूटने की समस्या कम होगी. सल्फर बालों की जड़ों को मजबूती देता है, जिससे हेयर फॉल कम होता है. बाल दोबारा से निकलने शुरू हो सकते हैं.
- प्याज के रस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कैटालेज एंजाइम को भी सक्रिय करते हैं, जो सफेद बालों का कारण बनने वाले हानिकारक तत्वों को कम करता है. ये बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है.

- प्याज के रस में मौजूद मिनरल्स और विटामिन बालों को दोबारा से हाइड्रेट करते हैं. दोमुंहे बालों की समस्या को कम करते हैं. स्कैल्प में गर्माहट पैदा करता है, जिससे खून का बहाव बढ़ता है. बालों का विकास तेजी से होता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बर्दाश्त नहीं होता... भाई को फोन कर बहन ने दी जान; महिला से पति के संबंधों से थी परेशान

अब बर्दाश्त नहीं होता भाई...। भाई को फोन करने के बाद गुरुवार रात को महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। बच्चों को पढ़ाने आने वाली ट्यूशन टीचर से उसके पति के प्रेम संबंध हो गए थे। इसको लेकर दोनों में विवाद होता था। दिन में पति ने उसे पीटा भी था। लोगों का कहना है कि महिला पिछले कई दिनों से परेशान थी। जब पति ने उस पर हाथ उठाया तो सब्र का बांध टूट गया। इन्हीं हालात में उसने खुद को खत्म करने जैसा आत्मघाती कदम उठा लिया। कानपुर के यशोदानगर के रहने वाले विजय ने बताया कि उन्होंने बहन किरण राजपूत उर्फ मुन्नी देवी की शादी 2014 में बिठूर के भवानीपुर गांव निवासी राजमिस्त्री दिनेश राजपूत से की थी। दोनों के दो बच्चे हुए। सब कुछ ठीक चल रहा था लेकिन इसी बीच बच्चों को पढ़ाने के लिए आने एक महिला ट्यूटर की वजह से घर में कलह होने लगी। छह महीने पहले बहन को दोनों के प्रेम संबंधों की जानकारी हुई तो वह विरोध करने लगी।

बकरी चराने गए नाबालिग की बेरहमी से हत्या

मैनपुरी. यूपी के मैनपुरी में दन्नाहार थाना क्षेत्र के ग्राम जरामई में बकरी चराने गए किशोर की गर्दन काटकर नृशंस हत्या कर दी गई। घटना के समय भाई भी पास के खेत में था। ग्राम जरामई निवासी 16 वर्षीय शिवा पुत्र स्वर्गीय हुकुम सिंह भाई के साथ शुक्रवार को बकरी चराने खेतों पर गया था। जहां कुछ लोगों ने घात लगाकर उसके ऊपर हमला कर दिया। कुल्हाड़ी से गर्दन पर वार किए गए। इससे किशोर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कुछ दूर मौजूद भाई की सूचना पर ग्रामीण और घरवाले कुछ देर में पहुंच गए। सूचना पर एसपी गणेश प्रसाद साहा दन्नाहार पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी जुटाई और परिजनों से बात की। एसपी ने दन्नाहार पुलिस को मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए।

यूपी में 17 साल के छात्र ने 25 हजार में बना दिया एआई रोबोट टीचर, नाम रखा सोफी

बुलंदशहर. यूपी के बुलंदशहर में 17 साल के छात्र ने 25 हजार में एआई रोबोट टीचर बनाया है। उसका नाम सोफी टीचर रखा है। छात्र आदित्य कुमार शिव चरण इंटर कॉलेज में 12वीं का छात्र है। फिल्म 'रोबोट' देखकर प्रेरित हुए आदित्य ने घर पर बैठकर सिर्फ 25 हजार की लागत में इसे बनाकर इलाके में चर्चा का विषय बन गए हैं। खास बात यह है कि यह रोबोट महिला टीचर की तरह दिखता है, इसे साड़ी पहनाई गई है और स्कूल में जाकर बच्चों को पढ़ाता भी है। आदित्य ने इस रोबोट टीचर का नाम सोफी रखा है। स्कूल के बच्चे उसे प्यार से सोफी टीचर कहकर बुलाते हैं। रोजाना की तरह सोफी क्लास में जाकर बच्चों के सवाल सुनती है और तुरंत जवाब भी देती है। छात्र बताते हैं कि सोफी टीचर के साथ पढ़ाई करना मजेदार और अलग अनुभव है। स्कूल के शिक्षक आदित्य की इस उपलब्धि पर बेहद खुश हैं और उसकी सराहना कर रहे हैं।

सुलझ गई कांग्रेस की कलह?

ब्रेकफास्ट के बाद सिद्धारमैया और DK शिवकुमार ने कहा - हमारे बीच कोई मतभेद नहीं

सिद्धारमैया ने कहा- हमने तय किया है कि हाईकमान जो भी कहेगा, हम मानेंगे। कल से कोई कन्फ्यूजन नहीं होगा। अभी भी कोई कन्फ्यूजन नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्टर्स ने कन्फ्यूजन पैदा किया है। उन्होंने कहा, 'BJP और JDS को झूठे आरोप लगाने की आदत है। BJP और JDS ने कहा है कि वे नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाएंगे। उनके पास सिर्फ 60 विधायक हैं, और JDS के पास 18 विधायक हैं। वे हमारी संख्या का मुकाबला नहीं कर सकते। हमारे पास 140 विधायक हैं। यह बेकार की कोशिश है। हम उनके झूठे आरोपों का सामना करेंगे।'

बेंगलुरु. कर्नाटक में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के भीतर चल रहे नेतृत्व संकट के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ ब्रेकफास्ट पर बैठक की। बैठक के बाद सिद्धारमैया ने स्पष्ट किया कि उनके और शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं है। दोनों नेता एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करते नजर आए। इस दौरान सीएम ने कहा- हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। हम दोनों पार्टी हाईकमान के फैसले का सम्मान करेंगे। यह बैठक कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर आयोजित की गई थी, जो दोनों नेताओं के बीच बढ़ते तनाव को कम करने का प्रयास था।

ब्रेकफास्ट के बाद सिद्धारमैया ने क्या कहा?

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी CM डीके शिवकुमार ने ब्रेकफास्ट मीटिंग के बाद बेंगलुरु में एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। CM सिद्धारमैया ने कहा- ब्रेकफास्ट अच्छा था। हमने वहां किसी भी बारे में बात नहीं की। हमने बस ब्रेकफास्ट किया। DKS आज हमारे घर आए...DKS ने मुझे अपने घर बुलाया।

कर्नाटक के CM ने कहा कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होंगे...हमारा एजेंडा 2028 के चुनाव हैं। लोकल बॉडी चुनाव जरूरी हैं। हमने उन पर चर्चा की। हमने 2028 के चुनावों में कांग्रेस को वापस लाने पर भी चर्चा की। हमने चर्चा की कि हम साथ मिलकर चलेंगे। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं और भविष्य में भी कोई मतभेद नहीं होंगे...

कर्नाटक सीएम ने आगे कहा, 'जहां तक मुझे पता है, कुछ MLA मंत्री बनना चाहते हैं, इसलिए वे हाईकमान से मिलने गए होंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि वे लीडरशिप के खिलाफ हैं। उनमें से कुछ ने मुझसे बात की और बताया कि वे दिल्ली क्यों गए थे। हाईकमान जो भी कहेगा, हम वही मानेंगे।'

नेशनल हेराल्ड केस पर फैसला तीसरी बार टला

- ED चार्जशीट पर संज्ञान लें या नहीं, कोर्ट को तय करना है;
- आरोपियों में राहुल-सोनिया के नाम

नई दिल्ली. नेशनल हेराल्ड केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला तीसरी बार टल गया है। कोर्ट का यह तय करना है कि मनी लॉन्ड्रिंग केस में ED की चार्जशीट पर संज्ञान लें या नहीं।

चार्जशीट में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और दूसरे कई सीनियर कांग्रेसी नेताओं के नाम हैं। ED ने इन नेताओं पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) से जुड़ी फाइनेंशियल गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। यह कंपनी ही असल में नेशनल हेराल्ड अखबार पब्लिश करती थी। कोर्ट ने 14 जुलाई को बहस पूरी होने के बाद फैसला 29 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रखा था। इसके बाद 8 अगस्त और 29 नवंबर को फैसला टला। अब कोर्ट 16 दिसंबर को फैसला सुनाएगी।

ED ने अप्रैल में एक बयान में कहा कि उसने 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया है। ED ने PMLA एक्ट की धारा 8 और नियम 5(1) के अनुसार संबंधित संपत्ति रजिस्ट्रार को दस्तावेज सौंपे थे। ED ने कब्जे में लिए जाने वाली संपत्तियां खाली करने की मांग की थी।

साइक्लोन दितवाह - तमिलनाडु में बारिश, 54 फ्लाइट्स कैंसिल

- पुडुचेरी यूनिवर्सिटी ने परीक्षाएं रोकीं
- श्रीलंका में 123 लोगों की मौत
- 200 भारतीय फंसे

पुडुचेरी. श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद साइक्लोन दितवाह भारत की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के तटीय इलाकों में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं शुरू हो चुकी है। शनिवार शाम तक इसके और तेज होने की संभावना है।

तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण 54 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। पुडुचेरी सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने साइक्लोन के कारण शनिवार को छुट्टी घोषित करते हुए सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यनम में सभी स्कूल और कॉलेज सोमवार तक बंद रहेंगे।

श्रीलंका में दितवाह के कारण बाढ़ और लैंडस्लाइड से 123 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। 130 से ज्यादा लापता हैं। चेन्नई की फ्लाइट्स कैंसिल होने के कारण कोलंबो एयरपोर्ट पर लगभग 300 भारतीय यात्री पिछले तीन दिनों से फंसे हुए हैं। ये सभी दुबई से श्रीलंका के रास्ते भारत आने वाले थे।

आज तमिलनाडु-पुडुचेरी तट से टकराएगा दितवाह

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMS) ने बताया कि साइक्लोन दितवाह 30 नवंबर को तमिलनाडु-पुडुचेरी के तट से टकराएगा। इसके कारण राज्यभर में भारी बारिश होगी। तमिलनाडु,आंध्र और पुडुचेरी में बाढ़ आ सकती है।पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा है। इन इलाकों में अचानक सैलाब आ सकता है। साइक्लोन दितवाह को लेकर तमिलनाडु के विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लूर, नागपट्टिनम, तिरुवरुर, तंजावुर, पुदुक्कोट्टई और मयिलादुथुरई सहित संवेदनशील तटीय जिलों में नेशनल डिजास्टर रिस्पोंस फोर्स (NDRF) की 14 टीमें भी तैनात की गई हैं। महाराष्ट्र के पुणे और गुजरात के वडोदरा स्थित NDRF बेस से 10 टीमें चेन्नई के लिए निकल गई हैं।

श्रीलंका की मदद के लिए ऑपरेशन सागर बंधु लॉन्च

भारत ने साइक्लोन दितवाह से तबाही के कारण श्रीलंका की मदद के लिए शनिवार को ऑपरेशन सागर बंधु लॉन्च किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने X पर बताया कि भारतीय वायुसेना का IL-76 एयरक्राफ्ट कोलंबो पहुंच गया है। NDRF के 80 कर्मियों की टीमों के साथ हवाई और समुद्री मार्ग से अब लगभग 27 टन राहत सामग्री पहुंचाई गई है।

मोदी ने 77 फीट की श्रीराम-प्रतिमा का अनावरण किया

- कर्नाटक में एक लाख लोगों के साथ गीता पढ़ी
- श्रीकृष्ण मठ में सोने का कलश चढ़ाया

पणजी. पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गोवा के कैनाकोना में श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ में पूजा की। यहां भगवान राम की 77 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। दावा किया जा रहा है कि यह दुनिया की सबसे ऊंची श्रीराम प्रतिमा है।

इससे पहले दिन में पीएम कर्नाटक पहुंचे थे। उडुपी में उन्होंने श्री कृष्ण मठ में पूजा-अर्चना की थी। यहां सुवर्ण तीर्थ मंडप का उद्घाटन किया और सोने का कलश चढ़ाया। इसके बाद पीएम ने 1 लाख लोगों के साथ श्रीमद्भगवद गीता का पाठ किया।

पीएम ने उडुपी में 25 मिनट की स्पीच दी। यहां उन्होंने श्रीकृष्ण के गीता के उपदेशों की बात की। पीएम ने कहा- भगवत गीता हमें सिखाती है कि शांति और सच्चाई को वापस लाने के लिए अत्याचारी का अंत करना जरूरी है। यही नेशनल सिक्योरिटी पॉलिसी का सार है। पहले की सरकारें आतंकी हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई नहीं करती थीं, पर यह नया भारत है।

प्रधानमंत्री शाम 4 बजे दक्षिण गोवा के कैनाकोना स्थित श्री संस्थान गोकर्ण परतगली जीवोत्तम मठ पहुंचे। यह मठ गौड़ सारस्वत ब्राह्मण वैष्णव परंपरा का पहला प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां पीएम ने श्रीराम की प्रतिमा के साथ मठ में बने 'रामायण थीम पार्क गार्डन' का भी उद्घाटन किया।

छेड़छाड़ रोकने पर बॉडी बिल्डर की हत्या

रोहतक. हरियाणा के रोहतक के रहने वाले बॉडी बिल्डर को भिवानी में आयोजित शादी समारोह में पीट-पीटकर घायल कर दिया। गंभीर हालत में उसे रोहतक पीजीआई लाया गया था।

जहां इलाज के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलने पर भिवानी पुलिस यहां पहुंची। जिसके बाद परिजनों के बयानों के आधार पर शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

इमरान को क्यों छिपा रही पाकिस्तानी सेना!

- बहन बोलीं- आर्मी चीफ आसिम मुनीर नए हिटलर, भाई से मिलने नहीं दे रहे

सोशल मीडिया पर इमरान की सेहत खराब होने और हत्या की भी खबरें आईं। इमरान की तीन बहनें और समर्थक 4 दिन से जेल के बाहर डटे हैं। इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में हिंसा भड़क गई थी। PTI समर्थकों के गुस्से को देखते हुए फिर ऐसा होने की आशंका है। पाकिस्तान में अभी क्या चल रहा है और इमरान खान के बारे में सही खबरें क्या हैं, दैनिक भास्कर ने इस पर इमरान के वकील और एक्सपर्ट्स से बात की।

मार्च, 2025 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि इमरान खान परिवार और वकीलों से मिल सकते हैं। जेल मैनेजमेंट ने कोर्ट का आदेश नहीं माना। अक्टूबर, 2025 में कोर्ट ने दोबारा निर्देश दिया। इसके बाद भी उनकी बहनों को एक भी बार मिलने नहीं दिया गया।

26 नवंबर को सोशल मीडिया पर खबर आई कि जेल में इमरान खान की हत्या कर दी गई है। इसके बाद उनकी बहनें और समर्थक अडियाला जेल पहुंच गए। इमरान खान की बहनें नूरीन नियाजी, अलीमा और उजमा जेल के बाहर प्रदर्शन करने लगीं। इमरान की पार्टी PTI के कार्यकर्ता पूरे पाकिस्तान में प्रदर्शन करने लगे।

'पिछले 6 हफ्तों से उन्हें (इमरान खान) डेथ सेल में अकेले रखा गया है। उनकी बहनों को मिलने से रोका गया, जबकि कोर्ट ने इसकी परमिशन दी है। न कोई फोन कॉल, न मुलाकात और न उनके जिंदा होने का सबूत है। हमारा उनसे कोई संपर्क नहीं है।'

– **कासिम खान**, इमरान खान के बेटे

बंगाल में 8 महीने बाद वक्फ संशोधन कानून लागू

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में ममता सरकार 8 महीने के विरोध के बाद नए वक्फ संशोधन कानून को लागू करने पर राजी हो गई है। राज्य सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि राज्य की 8063 वक्फ संपत्तियों की जानकारी 6 दिसंबर 2025 तक केंद्र सरकार की UMID वेबसाइट पर अपलोड करें।

वक्फ संशोधन कानून इस साल 4 अप्रैल को संसद के दोनों सदनों से पास हुआ था। तब पश्चिम बंगाल ने इसे अपने राज्य में लागू करने से मना कर दिया था। सीएम ममता बनर्जी ने 8 अप्रैल को एक रैली में कहा था कि जब तक पश्चिम बंगाल में ममता दीदी है, मुस्लिम समुदाय की संपत्ति की रक्षा करेगी। चाहे कोई गोली मार दे, मुझे एकता से अलग नहीं किया जा सकता। बंगाल में धर्म के नाम पर बंटवारा नहीं होगा।

ममता क्यों हुईं राजी...

कानून को अदालत में चुनौती दी गई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने नए प्रावधानों के लागू होने पर कोई रोक नहीं लगाई। इसलिए कानूनी रूप से राज्य सरकार पर इसे लागू करने की बाध्यता है।

केंद्र सरकार का साफ निर्देश है कि सभी अविवादित वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड डेडलाइन (6 दिसंबर) तक UMID पोर्टल पर अपलोड होना चाहिए। ममता सरकार इस निर्देश का पालन न करके कानूनी विवाद में नहीं फंसना चाहती।

नए नियमों में वक्फ बोर्डों और मुतवल्लियों की जवाबदेही बढ़ाई है। राज्यों के लिए डेटा अपलोड करना अनिवार्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बन गया है।

यूपी में भेड़िए बच्चे के दोनों हाथ खा गए, मौत

बहराइच. यूपी के बहराइच में भेड़िए खूंखार हो गए हैं। एक बार फिर शुक्रवार को 2 आदमखोर भेड़िए 5 साल के मासूम को घर से उठा ले गए। एक भेड़िए ने मासूम की गर्दन दबोची, दूसरे ने पैर।

आसपास के लोगों ने देखा तो वह लाठी-डंडे लेकर भेड़िए के पीछे भागे। करीब 500 मीटर दूर खेत में मासूम खून से लथपथ मिला। उसकी दोनों हथेलियां और पंजे भेड़िए खा चुके थे।

रोते हुए परिवार बच्चे को अस्पताल ले गया। हालत गंभीर होने पर लखनऊ रेफर किया गया। लखनऊ लाते वक्त रास्ते में मासूम की मौत हो गई। पिछले 3 महीने में भेड़िया 8 बच्चों और 1 महिला यानी 9 लोगों को मार चुका है। 38 से ज्यादा लोगों को घायल कर चुका है। खुद सीएम योगी भी बहराइच गए। उन्होंने भेड़िए को मारने के आदेश दिए। इसके बाद 4 भेड़ियों का एनकाउंटर किया गया।

क्या वनडे में टेस्ट का हिसाब चुका पाएगी टीम इंडिया!

- रोहित-कोहली मजबूती बढ़ा रहे
- साउथ अफ्रीका 10 साल से भारत में सीरीज नहीं जीता

साउथ अफ्रीका ने 25 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज जीती और 2-0 से हराकर क्लीन स्वीप भी किया। अब दोनों टीमों के बीच 3 वनडे की सीरीज 30 नवंबर से रांची में शुरू होगी। यहां दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली वापसी करेंगे, उनके आने से टीम मजबूत हो रही है। भारत के पास टेस्ट में मिली शर्मनाक हार का हिसाब चुकाने का मौका भी रहेगा।

भारत ने 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में साउथ अफ्रीका को ही 7 रन से हराकर टाइटल जीता था। टीम इंडिया ने तो चौथी बार लिमिटेड ओवर्स का वर्ल्ड कप जीता, लेकिन साउथ अफ्रीका को पहले टाइटल से दूर कर दिया। उस मैच के करीब डेढ़ साल बाद दोनों टीमें एक-दूसरे के सामने भिड़ीं। साउथ अफ्रीका ने भारत में भारत को टेस्ट सीरीज हराई और अपनी हार का हिसाब चुकता कर लिया।

साउथ अफ्रीका को भारत में आखिरी सीरीज जीत 2000 में मिली थी। उसके बाद से टीम ने यहां 5 सीरीज खेलीं, 3 गंवाईं और 2 ड्रॉ कराईं। भारत के 25 साल के इस दबदबे को प्रोटियाज टीम ने खत्म कर दिया। अब वनडे सीरीज के 3 मैच 30 नवंबर, 3 दिसंबर और 6 दिसंबर को खेले जाएंगे। भारत यहां 3-0 से जीतकर टेस्ट की हार के जख्म को कुछ हद तक कम कर सकता है।

आतंकी शाहीन के फ्लैट से 18.50 लाख मिले

- अल-फलाह यूनिवर्सिटी में सीक्रेट लॉकर में छिपाए थे
- सोने के 2 बिस्किट, जेवर, विदेशी करेंसी भी बरामद

नई दिल्ली. दिल्ली ब्लास्ट मामले की जांच नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (NIA) कर रही है। इसी कड़ी में आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. शाहीन सईद के फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के फ्लैट से 18.50 लाख कैश सहित सोने के बिस्किट और गहने मिले है। अलमारी से अरब देशों की करेंसी भी मिली है।

गुरुवार की रात को जांच एजेंसी शाहीन को लेकर अल-फलाह यूनिवर्सिटी पहुंची थी। टीम ने यहां पर उसकी गतिविधियों की जांच की। NIA सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अल-फलाह यूनिवर्सिटी के अंदर शाहीन का 22 नंबर फ्लैट है। इस फ्लैट में वह काफी समय तक रही।

जांच एजेंसी ने फ्लैट में रखी अलमारी का लॉक खुलवाया तो अंदर सीक्रेट लॉकर मिला। इसको खुलवाया गया तो अंदर कई पैकेट रखे हुए थे। इन पैकेट में 500-500 रुपए के नोट थे। टीम ने पैसे गिने तो ये 18.50 लाख रुपए निकले।

सोने के 2 बिस्कुट, 300 ग्राम जेवर भी मिले

इसके बाद टीम ने अलमारी के दूसरे लॉकर की तलाशी ली। इसमें सोने के 2 बिस्कुट के साथ करीब 300 ग्राम सोने के गहने बरामद किए गए। सूत्रों ने ये भी बताया कि अलमारी से अरब देशों की करेंसी भी मिली है। डॉ. शाहीन के कई करीबी फंडिंग के लिए कई गैर-सरकारी संगठन (NGO) के संपर्क में थे।

स्कूल में दलित को खाना बनाने से रोका, छह लोगों को हो गई जेल

तमिलनाडु की एक अदालत ने दलित समुदाय की एक महिला को सरकारी स्कूल में बच्चों के लिए खाना बनाने से रोकने के मामले में छह लोगों को दोषी करार देते हुए दो साल कैद की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2018 का है। अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत ने पी पलानीसामी गौंडर, एन शक्तिवेल, आर षणमुगम, सी वेलिंगिरी, ए दुरैसामी और वी सीता लक्ष्मी को जातिगत भेदभाव और अन्य अपराधों के लिए सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जिले के थिरुमलाई गौंडमपलायम स्थित सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में रसोइया पी पप्पल (44) को छह लोगों के हाथों भेदभाव का सामना करना पड़ा था। सभी छह लोग बच्चों के अभिभावक हैं। अभिभावकों ने दलित महिला रसोइया के स्कूल के बच्चों के लिए खाना पकाने पर आपत्ति जताई थी।

तमिलनाडु अस्पृश्यता उन्मूलन मोर्चा के सदस्यों ने दलित महिला रसोइया के साथ हुए भेदभाव और उसके बाद उनके स्थानांतरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पी पप्पल ने एक शिकायत दर्ज करवाई थी। चेयूर पुलिस ने 35 लोगों के खिलाफ एससी/एसटी ऐक्ट के तहत केस दर्ज किया था। इनमें से आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

सुनवाई के दौरान जूडिशल मैजिस्ट्रेट एम सुरेश ने कहा कि 6 लोगों को दोषी ठहराते हुए उनपर 5-5 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। वहीं 25 लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया है। सुनवाई के दौरान ही चार लोगों की मौत हो गई थी।

जाहिर नोटीस

जा. क्र/4563 / सन 2025/26
वसुलीदाखला क्र.-543

अर्जदार संसथेचे नांव श्री सिध्दनाथ नागरी सहकारी पतपेढी मर्यादित (वादी /अर्जदार)
पत्ताः-हरमन मौहता कंपनी गेट जवळ, शिव रोड, उल्हासनगर-01,
ता. उल्हासनगर, जि. ठाणे

विरूध्द

1) श्री. संदिप लक्ष्मण शिंदे
केळेवाली चाळ, शिंदे चाळीच्या बाजुला, उल्हासनगर 01,
ता. उल्हासनगर, जि ठाणे
2) श्री. विजयपाल के हरीजन
वाल्मिक नगर, शिवाजी नगर रोड, शहाड फाटक जवळ,
उल्हासनगर 01, ता. उल्हासनगर, जि. ठाणे
3) श्री. भिवा शामराव मेटकरी
शिवनेरी नगर, एम.आय.डि.सी. रोड, उल्हासनगर-1,
ता. उल्हासनगर, जि. ठाणे

जाबदेणार/ प्रतिवादी

ज्याअर्थी अर्जदार संस्थेने मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था, उल्हासनगर तालुका यांचेकडुन जाबदेणार / प्रतिवादी क्र. 1ते3 यांच्या विरूध्द रूपये 2,36,512/-अधिक द.सा.द.शे. 15 टक्के व्याजाच्या दराने थकीत कर्ज वसुली करीता दिनांक 12/09/2024 रोजी वसुली दाखला क्र. 543 मिळविला आहे व सदरहु वसुली दाखल्याच्या वसुली पात्र रक्कमेच्या वसुली साठी माझी विशेष वसुली व विक्री अधिकारी म्हणुन नेमणूक करण्यात आलेली आहे.

मला महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधि नियम 1960 चेकलम 156 वे प्राप्त अधिकारा नुसार सदरहु वसुली दाखल्याच्या वसुली कारवाई संदर्भात मी महाराष्ट्र सहकारी संस्था नियम 1961 चे नियम 107 मधील तरतूदी नुसार जाबदेणार / प्रतिवादी क्र. 1 ते3 यांस वरील पत्त्यावर नोंदणीकृत डाकेने मागणी नोटीस पाठविलेल्या आहेत तसा पुरावा दप्तरी उपलब्ध आहे. तरी या नोटीस द्वारे तुम्ही जाबदेणार/प्रतिवादी क्र. 1 ते 3 यांस कळविण्यात येते की, सदर वसुली दाखल्याच्या वसुलीचे कामी तुम्ही अर्जदार संस्थेची वसुलपात्र रक्कम व्यक्तिशः व सामुदायीकरित्या देणे आहात तरी आपण देय असलेल्या वसुलपात्र रक्कमेचा भरणा आदेशिकेच्या खर्चासह दिनांक 25/11/2025 पर्यंत करावा, अन्यथा तुम्हांस सदर वसुलीचे कामी वसुलपात्र रक्कमेचा भरणा करावयाचा नाही असे समजुन सदरहु वसुली दाखल्याच्या वसुली कामी पुढील योग्य ती कार्यवाही करून वसुलपात्र रक्कम वसुल केली जाईल याची नोंद घ्यावी.

सदरची नोटीस आज दिनांक 20/11/2025 रोजी माझ्या अधिकृत सही व कार्यालयीन शिक्क्यानिशी आपणांवर बजावली आहे.

ठिकाण : डोंबिवली.
दिनांक 20/11/2025

सही/-
एकनाथ वि. टोहके
विशेष वसुली व विक्रीअधिकारी
सिध्दनाथ नागरी सहकारी पतपेढी मर्यादित
कोकण महिला सहकारी पतसंस्था फेडरेशन लि
म.स.स. अधिनियम 1960 चे कलम 156 अन्वये

मत रवाना माहिती करीता व योग्य त्या कार्यवाही करीता :-
1. मा. सचिव/व्यवस्थापक श्री सिध्दनाथ नागरी सहकारी पतपेढी मर्यादित कार्यालय - हरमन मौहता कंपनी गेट जवळ, शिव रोड, उल्हासनगर-01, ता. उल्हासनगर, जि. ठाणे.

संक्षेप...

डहाणू रूट पर दौड़ेगी 15 डिब्बों की लोकल

मुंबई. पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए विरार से दहाणू के बीच पहली बार 15 डिब्बों वाली लोकल ट्रेन चलाने की योजना बनाई है। ऑपरेटिंग डिपार्टमेंट ने बोर्ड को लेटर भेजा है। लेटर अप्रूव होते ही विरार-दहाणू के बीच चलने वाली 12 डिब्बों की लोकल को 15 डिब्बों की लोकल से बदल दिया जाएगा। शुरू में 6 लोकल सर्विस 15 डिब्बों में चलाई जाएंगी।

आवारा कुत्तों के अंगों को निकाल रहे तस्कर

■ शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने की जांच की मांग

ठाणे. ठाणे में कुत्तों के अंगों की तस्करी का मामला सामने आया है। शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने आवारा पशुओं को पकड़कर अंग निकालने वाले इन कथित गिरोहों से जुड़े मामलों में जांच करने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी सूचना मिली है कि इन कुत्तों और बिल्लियों के अंगों को निकालकर उनकी तस्करी की जा रही है।

ठाणे महानगर पालिका के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिवसेना सांसद ने इस अवैध गतिविधि पर चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि एक गिरोह शहर में आवारा कुत्तों व बिल्लियों को पकड़कर दूसरे स्थानों पर ले जाता है और स्थानीय पशु चिकित्सा केंद्रों व चिकित्सकों की मदद से उनके अंगों को निकाल लेता है।

उन्होंने स्वास्थ्य और पशु चिकित्सा विभागों को इस घटना के बारे में सचेत करते हुए कहा, "कुछ निजी अस्पताल हैं, जिनके जरिए कुछ लोग ठाणे आते हैं और आवारा जानवरों को ले जाते हैं। उन्हें मुंबई के देवनार में पांच से दस दिनों तक रखा जाता है और फिर उनके अंगों को अवैध रूप से निकाला जाता है।"

सांसद ने नगर निगम अधिकारियों को इस गिरोह की जांच करने और शहर में आवारा जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गौरतलब है कि मानव अंग तस्करी की तरह ही कुत्तों और बिल्लियों की अंग तस्करी भी ब्लैक मार्केट में बड़ी मात्रा में प्रचलित है। इनके अंगों का उपयोग अवैध बाजारों, पारंपरिक चिकित्सा या अवैध कामों के लिए किया जाता है।

दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ क्षेत्रों में कुत्तों के मांस का अवैध व्यापार किया जाता है। इसके अलावा इनकी हड्डियों और खाल को सजावट या अवैध दवाइयों के नाम पर भी बेचा जाता है।

अंबरनाथ प्रभाग 9 में कांग्रेस की स्थिति मजबूत

■ उम्मीदवार किरण राठोड द्वारा किए गए विकास कार्य की चर्चा

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में मेरे प्रभाग, हाउसिंग बोर्ड, वुलन चाल आदि परिसर में ही नहीं पूरे शहर में मेरे द्वारा किए गए विकास कार्यों को लोग अच्छी तरह जानते हैं. ऐसे ही विकास कामों को मैं जारू रखूंगा. ऐसी गवाही कांग्रेस के प्रभाग क्र. 9 ब के उम्मीदवार किरण राठोड ने पनवेलकर गार्डन वुलन चाल में आयोजित चौक सभा में कहा.

विदित हो कि इसी प्रभाग क्र. 9ए से पूर्व नगरसेवक मिलिंद पाटिल की धर्म पत्नी तेजस्विनी पाटिल भी किरण राठोड के साथ कांग्रेस की उम्मीदवार है. सभा में उपस्थित नूरजहां शेख ने भी किरण राठोड के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वह गत 10 वर्षों से लोगों के लिए विकास कार्य कर रहे हैं. रफीक खान ने कहा कि उनके प्रभाग में हिंदू मुसलमान मिलजुल कर रहते हैं। किरण लोगों का काम करते हुए ये नहीं देखते कि वह कौन से धर्म का है. प्रभाग 9 में किरण राठोड और तेजस्विनी मिलिंद पाटिल कांग्रेस आई के दोनों उम्मीदवारों की स्थित मजबूत है. कांग्रेस के शहराध्यक्ष प्रदीप पाटिल ने भी सभा में दोनों उम्मीदवारों को वोट देकर विजयी बनाने की अपील की. किरण राठोड ने कहा है कि प्रभाग में एवं शहर में किए गए विकास कार्य ही उन्हें विजय की ओर ले जाएंगे. वह जहां-जहां भी सभा ले रहे हैं, उनकी सभा में लोगों की भारी भीड़ दिखाई दे रही है.

कजाकिस्तान के अलमाटी में आयोजित समारोह में 'नवभारत सिंधु रत्न' से नवाजे गए महेश सुखरामानी

उल्हासनगर. 'नवभारत' समूह ने अपने वैश्विक सम्मेलन नवभारत इंटरनेशनल बिजनेस एक्सीलेंस समिट- 2025 के दूसरे एडिशन का भव्य समारोह कजाकिस्तान के प्रमुख व्यापारिक शहर अलमाटी के पांच सितारा होटल में 24 नवंबर आयोजित किया था. इस समारोह में महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष मनपा के पूर्व नगरसेवक महेश सुखरामानी को कार्यक्रम के अतिथि कजाकिस्तान के पूर्व राजदूत व प्रबंधन बोर्ड चेयरमैन बुलत सरसेनबायेव के हाथों पुरस्कृत किया गया.

इस रंगारंग कार्यक्रम में कजाकिस्तान और भारत के बीच निवेश को बढ़ावा देने पर सार्थक चर्चा की गयी. साथ ही देश-विदेश में ख्याति प्राप्त कर रहे विभिन्न क्षेत्रों के कारोबारियों ने हिस्सा लिया. विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर समाज, शहर और देश का नाम रोशन करने वालों को सम्मानित किया गया. इस मौके पर नवभारत समूह के निदेशक वैभव माहेश्वरी, स्टेपकेस इकोनॉमिक बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर झेसिलसेबरव्ली तथा कजाकिस्तान के स्किल डेवलपमेंट के डायरेक्टर कोजिकोप खास तौर पर उपस्थित थे. कजाकिस्तान और भारत के राष्ट्रगान के समारोह प्रारंभ हुआ था.

कजाकिस्तान में भारतीय उद्यमी करें निवेश : सरसेनबायेव

कजाकिस्तान के पूर्व राजदूत और प्रबंधन बोर्ड चेयरमैन के सलाहकार बुलत सरसेनाव ने कहा कि हमारे खूबसूरत शहर में नवभारत ग्रुप ने गुप ने इस गोबल समिट का आयोजन कर प्रशंसनीय काम किया है. भारत के कई बड़े उद्योगपतियों ने कजाकिस्तान में निवेश की इच्छा व्यक्त की है. कजाकिस्तान में स्टील, ऑयल एंड गैस, इलेक्ट्रॉनिकर, मेडिकल, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं है. उन्होंने भारतीय उद्यमियों से निवेश की अपील करते हुए कहा कि हमारी सरकार हर तरह से साधोग के लिए तैयार है.

राजेश अग्रवाल को अगला चीफ सेक्रेटरी अपॉइंट किया

मुंबई. राज्य सरकार ने शुक्रवार को 1989 बैच के IAS ऑफिसर राजेश अग्रवाल को अगला चीफ सेक्रेटरी अपॉइंट किया, जो रविवार को चार्ज संभालेंगे।1989 बैच के IAS ऑफिसर राजेश अग्रवाल28 अक्टूबर को, अग्रवाल, जो उस समय सेंट्रल मिनिस्ट्री ऑफ़ सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट में दिव्यांग लोगों के सेक्रेटरी के तौर पर काम कर रहे थे, उन्हें टॉप एडमिनिस्ट्रेटिव पोस्ट के साथ महाराष्ट्र वापस भेज दिया गया। वह 1988 बैच के राजेश कुमार की जगह लेंगे, जो 30 अगस्त को रिटायर होने वाले थे, लेकिन उन्हें तीन महीने का एक्सटेंशन मिला। अग्रवाल जनवरी 2015 से लगभग एक दशक से सेंट्रल डेप्युटेशन पर हैं, उन्होंने फाइनेंशियल सर्विसेज़, ट्राइबल अफेयर्स, स्किल डेवलपमेंट, पेट्रोलियम और सोशल वेलफेयर जैसे खास डिपार्टमेंट में काम किया है।

ठाणे सिविल हॉस्पिटल आम आदमी के लिए बना सहारा

7 महीने में 4271 सफल सर्जरी

ठाणे. सिविल हॉस्पिटल सच में उन आम मरीज़ों के लिए जीवन रक्षक है जो इलाज का खर्च नहीं उठा सकते।हॉस्पिटल ने पिछले सात महीनों में मरीज़ों की सेवा में बिना किसी रुकावट के 4271 सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की हैं। इन सर्जरी में 2326 मेजर और 1945 माइनर केस शामिल हैं और सिजेरियन (LSCS), लैपरोटॉमी हर्निया टॉमी आई, डेंटल, ऑर्थोपेडिक, कान-नाक-गला जैसी कई ज़रूरी सर्जरी लगातार की गईं। हर दिन 500 से 600 मरीज़ इलाज के लिए आते हैं और सर्जन डॉ. कैलाश पवार और एडिशनल डिस्ट्रिक्ट सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े की गाइडेंस में हर महीने लगभग 550-600 सर्जरी की जा रही हैं। इसमें मेजर सर्जरी लैपरोटॉमी हर्निया टॉमी सिजेरियन सेक्शन हाइड्रोसील और माइनर शामिल हैं। सर्जरी इसमें डीब्राइडमेंट चीरा और ड्रेनेज वगैरह शामिल हैं।

78 साल की एक महिला की गांठ की क्रिटिकल सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया जिससे उन्हें ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से छुटकारा मिला।पहली बार टीनएजर्स में हार्मोनल बदलावों की वजह से होने वाली 'गाइनेकोमेस्टिया' की समस्या को कम करने के लिए 20 साल के एक युवा पर एक मुश्किल 'रिडक्शन और लिपोसक्शन' सर्जरी की गई। यह प्रोसीजर, जो प्राइवेट हॉस्पिटल में बहुत महंगा होता है, सिविल में सफल रहा।ठाणे सिविल ने ताहिर, जो बहरा और मानसिक रूप से विकलांग है, की मुश्किल मोतियाबिंद की समस्या को ठीक किया, जिसे कुछ हॉस्पिटल ने रिजेक्ट कर दिया था। बहुत ज़्यादा जोखिम भरी सर्जरी ने सफलतापूर्वक उसकी ज़िंदगी में रोशनी वापस ला दी।

> हमारा लक्ष्य मरीज़ों की बिना रुकावट सर्विस बनाए रखना लक्ष्य है। साढ़े चार हज़ार अप्रैल से अक्टूबर 2025 तक सात महीनों में की गई सर्जरी हमारी टीम की कड़ी मेहनत का नतीजा है।
>
> -डॉ. कैलाश पवार
> जिला सिविल सर्जन ठाणे

ठाणे महानगर पालिका ने नागरिकों के लिए शुरू किया

सुपर स्पेशालिटी डेंटल क्लिनिक

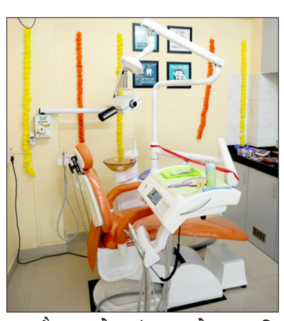

ठाणे. मनपा की ओर से टेंभिनाका स्थित सी. आर. वाडिया अस्पताल में सभी सुविधाओं और नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित सुपर स्पेशियलिटी डेंटल क्लिनिक का शुभारंभ किया गया। इस क्लिनिक का उद्घाटन सांसद नरेश म्हस्के ने किया।इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त 1 संदीप मालवी, उप आयुक्त उमेश बिरारी, मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल, मातृ एवं शिशु कल्याण अधिकारी डॉ. वर्षा ससाने, पूर्व नगरसेविका पूजा वाघ आदि उपस्थित थे।

सी. आर. वाडिया अस्पताल में शुरू किए गए सुपर स्पेशालिटी डेंटल क्लिनिक में नागरिकों को डेंटल चेकअप, डेंटल क्लीनिंग, डेंटल फिलिंग, दांत निकालना आदि जैसी उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं मुफ्त में उपलब्ध होंगी। इसके लिए 2 विशेषज्ञ डॉक्टरों को नियुक्त किया गया है। यह सेवाएं मनपा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के डेंटल डिपार्टमेंट में भी दी जाती हैं। इस अस्पताल में मरीजों की संख्या अधिक होने से कई बार मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने का जोखिम नहीं उठा सकते और कई बार मेडिकल पॉलिसी के जरिए इस इलाज से मना कर दिया जाता है।

इसके साथ ही 'पेट केयर ठाणे' के तहत पालतू जानवरों का रजिस्ट्रेशन, सेंट्रल मेडिसिन वेयरहाउस में दवाइयां बांटने की आधुनिक टेक्नोलॉजी व्यवस्था, जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के सीएसआर फंड से मिली सोनोग्राफी मशीन, साथ ही काजुवाड़ी हेल्थ सेंटर और शील हेल्थ सेंटर नाम की दो जगहों पर नई एक्स-रे मशीन और 22 शहरी आयुष्मान हेल्थ मंदिरों का उद्घाटन मनपा के नरेंद्र बल्लाल हॉल में सांसद नरेश म्हस्के ने ऑनलाइन किया।

इसी तरह, CSR फंड से मिली सोनोग्राफी मशीनों का इस्तेमाल हेल्थ सेंटर में किया जाएगा। काजुवाड़ी हेल्थ सेंटर, शील हेल्थ सेंटर में लगी एक्स-रे मशीनों से हड्डी, छाती का एक्स-रे और डायग्नोस्टिक प्रोसीजर जल्दी और सही तरीके से हो सकेगा। 22 आयुष्मान हेल्थ सेंटर में आउटपेशेंट सर्विस, फ्री दवा, प्रेग्नेंट मांओं का चेक-अप, मेंटल हेल्थ के लिए काउंसलिंग सर्विस वगैरह जैसी कई सर्विस मिलेंगी।

फिल्ममेकर पर एक्ट्रेस से 71 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

मुंबई. फिल्म प्रोड्यूसर-डायरेक्टर कवल शर्मा पर बॉलीवुड एक्ट्रेस किरण आहूजा से अगस्त 2024 और अप्रैल 2025 के बीच 71 लाख की धोखाधड़ी करने का आरोप है। उन्होंने किरण को अपने प्रोजेक्ट्स में ज़्यादा रिटर्न का वादा करके इन्वेस्ट करने का लालच दिया था। पुलिस के मुताबिक, आहूजा, जो पहले स्कूल टीचर थीं और अपने पिता और भाई के साथ खार में रहती हैं, ने 3 सितंबर को एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्हें अपना डिटेल्ड स्टेटमेंट रिकॉर्ड करने के लिए पुलिस स्टेशन बुलाया गया, जिसके बाद केस दर्ज किया गया। अपने स्टेटमेंट में, आहूजा ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 2007 में एक्टिंग का कोर्स पूरा किया है और रेडी जैसी फिल्मों और कई एड्स में काम किया है। वह शर्मा से पहली बार 2016 में मिली थीं, जब उन्होंने उन्हें अपने प्ले चार्ली-2 में एक रोल ऑफर किया था.

संगीत भूषण पंडित राम मराठे मेमोरियल म्यूज़िक फेस्टिवल

5 से 7 दिसंबर तक रंगायतन में आयोजन

ठाणे. मनपा की ओर से 30 वां संगीत भूषण पंडित राम मराठे मेमोरियल म्यूज़िक फेस्टिवल 5 से 7 दिसंबर तक होगा। शाम 7 बजे से फेस्टिवल शुरू होगा और ऑडियंस को क्लासिकल सिंगिंग के साथ कथक डांस और म्यूज़िकल ड्रामा का मज़ा मिलेगा।मनपा अतिरिक्त आयुक्त 1 संदीप मालवी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह फेस्टिवल राम गणेश गडकरी रंगायतन में जारी रहेगा।अरविंद पेंडसे हॉल में उपायुक्त उमेश बिरारी, पं. मुकुंद मराठे, पं. मुकुंद देव, पं. विवेक सोनार, तबला वादक रवि नवले उपस्थित थे।शुक्रवार 5 दिसंबर को शाम 7 बजे। महोत्सव का उद्घाटन होगा। आशा खाडिलकर, जिन्होंने कई दशकों की अपनी समृद्ध गायन यात्रा के साथ महाराष्ट्र की संगीत परंपरा में एक अमूल्य योगदान दिया है और अपनी आवाज की मिठास, श्रुति साधना, स्पष्ट उच्चारण और भावनात्मक अभिव्यक्ति के कारण महाराष्ट्र के एक सम्मानित कलाकार के रूप में खुद को स्थापित किया है, उन्हें संगीत भूषण पं. राम मराठे पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार में 51000रुपये का नकद पुरस्कार और एक प्रशस्ति पत्र शामिल है। निधि प्रभु, जो एक सुंदर भारतीय नृत्य शैली कथक के एक युवा साधक के रूप में संगीत का अभ्यास करती हैं, को पं. राम मराठे युवा पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

25000 और एक स्मृति चिह्न। पुरस्कार वितरण समारोह रात 8 बजे होगा। उसके बाद, रात 8:30 बजे पंडित सुरेश बापट का गायन प्रदर्शन होगा, जिसमें सुहास चितले तबले पर और नीला सोहोनी हारमोनियम पर संगत करेंगी।

गोवा में IFFI 2025 का समापन

रजनीकांत को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिला

■ समारोह में रणवीर सिंह, ऋषभ शेट्टी और नवाजुद्दीन भी पहुंचे

56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI 2025) का समापन शुक्रवार को गोवा में हुआ। नौ दिनों तक चले इस फेस्टिवल में दुनिया भर के कई फिल्ममेकर्स और कलाकार शामिल हुए। क्लोजिंग सेरेमनी में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन शामिल हुए।

इसके अलावा सुपरस्टार रजनीकांत, रणवीर सिंह, ऋषभ शेट्टी, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, टोविनो थॉमस, विनीत सिंह, जर्मन एक्ट्रेस कैथरीना शटलर, राजेश्वरी सचदेव, रमेश सिप्पी और राकेश ओमप्रकाश मेहरा जैसे कलाकार भी मौजूद रहे।

रजनीकांत को भारतीय सिनेमा में 50 साल पूरे करने पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया। रजनीकांत सुबह ही गोवा पहुंचे थे, जहां होटल स्टाफ और फैंस ने उनका स्वागत किया।

सम्मान मिलने पर रजनीकांत ने कहा, मैं बहुत विनम्रता और कृतज्ञता के साथ यहां खड़ा हूं और 50 सालों के अपने काम को सराहने और सम्मानित करने के लिए देश की सरकार का दिल से धन्यवाद करता हूं। अगर मैं पीछे मुड़कर देखूं तो लगता है कि मैंने सिर्फ 10-15 साल काम किया है और इसका कारण केवल मेरा सिनेमा और अभिनय के प्रति प्रेम है। इसलिए, 100 साल बाद भी मैं फिर अभिनेता, यानी रजनीकांत के रूप में जन्म लेना चाहूंगा। आपके प्यार और स्नेह के लिए धन्यवाद।

धर्मेंद्र समेत दिवंगत कलाकारों को दी गई श्रद्धांजलि

समापन कार्यक्रम में इस साल दिवंगत हुए फिल्म जगत के दिग्गजों को भी श्रद्धांजलि दी गई। 'इन फोंड रिमेम्ब्रेंस ऑफ द आर्टिस्ट्स वी लॉस्ट' शीर्षक से आयोजित इस प्रस्तुति में धर्मेंद्र, कामिनी कौशल, सुलक्षणा पंडित, सतीश शाह, पीयूष पांडे,जुबीन गर्ग और श्याम बेनेगल को याद किया गया।

टोरेंट पावर ने भिवंडी और शील-मुंब्रा-कलवा में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया

■ थैलेसीमिया के मरीज़ों के लिए 365 खून की बोतलें इकट्ठा की गईं

ठाणे. समुदाय स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए टोरेंट पावर ने शनिवार 29 नवंबर को भिवंडी और शील–मुंब्रा–कलवा क्षेत्रों में एक बड़े रक्तदान शिबीर का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कंपनी की समुदाय सेवा उपक्रम पहलों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था और विशेष रूप से थैलेसीमिया रोगियों की सहायता के उद्देश्य से आयोजित किया गया।कंपनी के सभी विभाग के कर्मचारियों के जोश के साथ हिस्सा लेने की वजह से, एक दिन में 365 खून की बोतलें इकट्ठा की गईं। इकट्ठा किया गया खून सहयोगी ब्लड बैंकों को दिया गया, जो थैलेसीमिया के साथ-साथ दूसरे गंभीर मरीज़ों के इलाज के लिए काम आएगा।टोरेंट पावर के कर्मचारियों ने इस कोशिश को बहुत जोश के साथ अपनाया। कई लोगों ने कहा कि उन्हें ऐसी सोशल एक्टिविटीज़ में हिस्सा लेने से बहुत खुशी मिलती है और उन्हें ऐसे ऑर्गनाइज़ेशन का हिस्सा होने पर गर्व महसूस होता है जो रेगुलर सोशल सर्विस प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ करता है। टोरेंट पावर के जनसंपर्क अधिकारी ने कहा, "टॉरेंट पावर सिर्फ़ बिजली सर्विस प्रोवाइडर नहीं है; हम समाज की भलाई के लिए भी काम करने के लिए उतने ही वचनबध्द हैं।

थैलेसीमिया के मरीज़ों के लिए ऑर्गनाइज़ किए गए इस ब्लड डोनेशन कैंप में एम्प्लॉइज़ की भारी हिस्सेदारी देखकर हमें बहुत खुशी हुई।टॉरेंट पावर पूरे साल हेल्थ, शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक विकास से जुड़ी कई गतीविधीयोंका आयोजन करता है। कंपनी समाज पर सकारात्मक और समाजपयोगी असर डालने के अपने कार्य के लिए कटिबध्द है।

भांडुप सर्कल में बिजली बिल कलेक्शन कैंपेन ज़ोरों पर

छुट्टियों में भी खुले रहेंगे बिजली बिल पेमेंट सेंटर

ठाणे. भांडुप सर्कल में बिजली बिल कलेक्शन कैंपेन चल रहा है। इसमें बकाया बिल वाले 27498 कस्टमर्स की बिजली काट दी गई है। कस्टमर्स की सुविधा के लिए महावितरण के भांडुप सर्कल में बिजली बिल पेमेंट सेंटर छुट्टियों में भी खुले रखे जाएंगे। इसके मुताबिक शनिवार 29 नवंबर और 30 नवंबर को सर्कल के तहत सभी ऑथराइज़्ड बिजली बिल पेमेंट सेंटर खुले रखे गए हैं और बिल भरने की सुविधा दी गई है। महावितरण ने कस्टमर्स से अपील की है कि वे अपने बिजली बिल भरने में सहयोग करें।

बिजली बिल पेमेंट सेंटर्स के साथ-साथ महावितरण ने बिजली बिल भरने के लिए कई ऑप्शन दिए हैं। ऑनलाइन बिजली बिल भरने पर 10 रुपये की छूट दी जा रही है। पेमेंट महावितरण की वेबसाइट या महावितरण के मोबाइल ऐप के साथ-साथ बैंक, प्राइवेट सिक्योर्ड पेमेंट सेंटर जैसे ऑफलाइन ऑप्शन से भी किया जा सकता है। भांडुप सर्कल के चीफ इंजीनियर संजय पाटिल ने कस्टमर्स से अपील की है कि बिना रुकावट बिजली सर्विस के लिए मौजूद सुविधाओं का इस्तेमाल करके अपने मौजूदा और पुराने बिजली बिलों का पेमेंट करें।

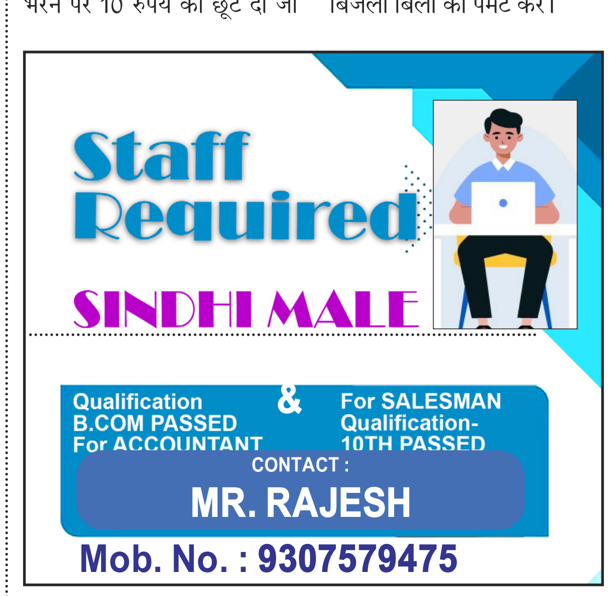

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099